A–0635

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DVK-101

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त परिचय

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कर्मकाण्ड क्या है ? विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

2. सनातन धर्म के ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

3. नित्यकर्म से क्या अभिप्राय है ? प्रात:कालीन नित्यकर्म का परिचय दीजिए।

4. सन्ध्योपासना का विस्तारपूर्वक लिखिए।

5. यज्ञ से क्या तात्पर्य है ? पञ्च यज्ञों के विषय में विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

नामकरण मुहूर्त का महत्व लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. योग और करण का परिचय दीजिए।

2. सर्वार्थ सिद्ध योगों को लिखिए।

3. तिथियों की नन्दादि संज्ञाओं को लिखिए।

4. विष योगों के विषय में लिखिए।

5. अन्नप्रासन्न संस्कार का परिचय देते हुए महत्व को लिखिए।

6. कर्णवेध संस्कार का परिचय दीजिए।

7. उपनयन संस्कार का महत्व लिखिए।

8. वास्तुशान्ति मुहूर्त को लिखिए।

अथवा

वर वरण एवं विवाह मुहूर्त को लिखिए।

****